

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 24, 1979 (अग्रहायण 3, 1901)
No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1979 (AGRAHAYANA 3, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

	पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	615	जारी किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) 2541
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी पत्रकारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1473	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों का छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं 3315
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	45	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि- सूचित विधिक नियम और आदेश 389
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई पत्रकारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1015	भाग III—खण्ड 1—महालेखारोहक संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के प्रशासन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 9381
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकल कार्य-नियम, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस 677
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं —
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि- सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 2713
	—	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर- सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस 163

CONTENTS

PART I—SECTION 1. —Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 615	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 2541
PART I—SECTION 2. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1473	PART II—SECTION 3. —SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	3315
PART I—SECTION 3. —Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	45	PART II—SECTION 4. —Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	389
PART I—SECTION 4. —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1015	PART III—SECTION 1. —Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	9381
PART II—SECTION 1. —Acts, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2. —Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	677
PART II—SECTION 2. —Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3. —Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3. —SUB. SEC. (I).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4. —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2713
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	163

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई

विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० 53-प्रेज/79--राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जगदीश चन्द्र बबशी,

(स्वर्गीय)

सहायक उप पुलिस निरीक्षक,

जिला सिरमूर,

हिमाचल प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

24 मई, 1975 को राजगढ़ बस स्टैंड पर श्री प्रताप सिंह और श्री सुरत सिंह में किसी व्यापारिक लेन-देन पर झगड़ा हो गया। जब श्री तुलसी राम ठाकुर और श्री कृष्ण कुमार ने हस्तक्षेप करने का प्रयत्न किया तो श्री सुरत सिंह क्रोधित हो गया एक और बी० बी० बी० एल० बन्दूक लेकर तीनों व्यक्तियों के पीछे भागा, वे घुरन्त घाने में गये और भागले की रिपोर्ट श्री जगदीश चन्द्र बबशी, सहायक उप-निरीक्षक को की, जो उस समय अपने निवास-स्थान पर बोपहर का भोजन कर रहे थे। जब तीनों व्यक्ति सहायक उप-निरीक्षक के निवास स्थान से बाहर आये तो श्री सुरत सिंह ने लगभग 18/20 गज की दूरी से श्री तुलसी राम पर गोली चलाई। बन्दूक की आवाज सुनकर सहायक उप-निरीक्षक जो केवल बंदी और धोती पहने थे, अपने निवास स्थान से तुरन्त बाहर आये। उन्होंने उन व्यक्तियों में से दो को वापस क्वार्टर में भाग कर छिप जाने का आदेश दिया। इस दौरान श्री सुरत सिंह ने अपनी बन्दूक में दोबारा गोली भरी और तुलसी राम नामक तीसरे व्यक्ति पर गोली चलाई किन्तु तुलसी राम को बचाने के लिये श्री जगदीश चन्द्र बबशी कुछ कर उसके आगे आ गये और श्री सुरत सिंह को शान्त करने का प्रयत्न किया और साथ ही उन्होंने श्री तुलसी राम को बच निकलने के लिये गुप्त रूप से संकेत दिया। जब श्री तुलसी राम बचकर चले गये तो श्री सुरत सिंह और भी क्रोधित हो गया और अपनी बन्दूक में दोबारा गोली भरके उसने श्री जगदीश चन्द्र बबशी पर गोली चला दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

एक सप्ताह हत्यारे से तीन व्यक्तियों के जीवन की रक्षा करने का प्रयास करते हुए श्री जगदीश चन्द्र बबशी ने अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 मई, 1975 से दिया जायेगा।

सं० 54-प्रेज/79--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सुन्दर दास,

(स्वर्गीय)

पुलिस उप-निरीक्षक,

जिला फतेहगढ़,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

29/30 अक्टूबर, 1977 को रात्रि को, श्री सुन्दर दास, पुलिस उप-निरीक्षक को सूचना मिली कि कथित डाकू सुलतान सिंह तथा उसके अन्य दो साथी गांव नाथ-का-नंगला के श्री मुकट सिंह नामक व्यक्ति के घर में ठहरे हुए हैं। श्री सुन्दर दास सहित एक पुलिस टुकड़ी उस गांव में गई और श्री मुकट सिंह के भवान को घेर लिया। डाकुओं को आत्म-समर्पण के लिये कहा गया परन्तु उन्होंने पुलिस टुकड़ी पर गोली चला दी। श्री सुन्दर दास अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए डाकुओं द्वारा दी गई चुनौती का मुकाबला करने के लिये तुरन्त पुलिस टुकड़ी के आगे गये। जब श्री सुन्दर दास सुलतान को बकड़ने वाले ही थे तो सुलतान के एक साथी ने उन पर गोली चला दी जिससे फलस्वरूप श्री सुन्दर दास घटनास्थल पर भारे गये। डाकू घंघरे की भाड़ में बच कर भाग गये।

श्री सुन्दर दास ने डाकू गिरफ्तार को पकड़ने में अपने जीवन का बलिदान देकर कसब्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 अक्टूबर, 1977 से दिया जायेगा।

सं० 55-प्रेज/79--राष्ट्रपति उड़ीसा मिलिट्री पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गोपाल प्रधान,

(स्वर्गीय)

हवलदार,

उड़ीसा मिलिट्री पुलिस,

7वीं बटालियन,

भुवनेश्वर,

उड़ीसा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

15 अप्रैल, 1978 को श्री गोपाल प्रधान, हवलदार को भुवनेश्वर में प्रशोकाष्टमी रथ पर्व के अवसर पर निकाले गये "बहुल रथ" की दाईं ओर पर्व को देखने के लिये एकत्रित भीड़ को नियंत्रित करने के लिये तैनात किया गया। रथ यात्रा का समारोह अपरान्ह लगभग 3.45 बजे शुरू हुआ परन्तु लगभग 5.30 बजे रथ का एक पिछला पहिया टूट गया। मामूली भरमत्त करने के बाद यात्रा पुनः शुरू की गई परन्तु कुछ ही दूरी तय की गई थी एवं जब रथ सड़क पर टीले से उतर रहा था, तो उस की गति तेज हो गई और वह सड़क की दाईं ओर घूम गया इस प्रकार वहां उत्सव को देखने के लिये एकत्रित हुए पुरुषों, महिलाओं तथा बच्चों के मन को खतरा हो गया। श्री गोपाल प्रधान अपने जीवन के खतरे की तह न करते हुए तुरन्त उस स्थान पर गये और बहुत से पुरुषों तथा ताम्रों को रथ के पहियों के नीचे कुचले जाने से बचाया। वे पुरुषों, महिलाओं तथा बच्चों को बचाने का कार्य करते रहे तथा इस प्रक्रिया में फिल कर सड़क के साथ नाले में गिर गये जो रथ के पहियों के इतने

निकट था कि इससे पहले कि वे नाले से निकल सकें रथ के पहियों के नीचे घा गये और कुचले जाने से उनकी मृत्यु हो गई।

श्री गोपाल प्रधान, हवलदार ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए कर्तव्य निर्वाहन में अपने जीवन का बलिदान दे दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 15 अप्रैल, 1978 से दिया जायेगा।

के० सी० मावप्पा,
राष्ट्रपति के सचिव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1979

संकल्प

सं० ग०-12020 (बी)/1/79-एम० ई० एम०-भारत सरकार ने एक सलाहकार समिति का गठन किया है जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निकाली जा रही हिन्दी पत्रिकाओं "हमारा घर" और "आरोग्य सन्देश" को और अधिक रुचिकर एवं जनोपयोगी बनाने के लिए अपने सुझाव देगी। इस समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :-

- | | |
|---|---------|
| 1. श्री विश्वनाथ कक्कड़ चौक (मीडिया) | अध्यक्ष |
| स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय। | |
| 2. श्री राजेन्द्र अवस्थी, सम्पादक, "कादम्बिनी" | सदस्य |
| 3. श्री लल्लन प्रसाद व्यास, सम्पादक, | सदस्य |
| "भालो-भारती"। | |
| 4. डा० ग्राम्य प्रकाश, ग्रन्थिल भारतीय आयुर्विज्ञान | सदस्य |
| संस्थान, नई दिल्ली। | |

- | | |
|--|----------------|
| 5. श्री टी० के० पार्थसारथी, सम्पादक | सदस्य |
| केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो। | |
| 6. श्री गुलबन्त "कारिग", सहायक सम्पादक | सदस्य |
| स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय। | |
| 7. श्री नन्दन गोपाल श्रीवास्तव, सहायक सम्पादक, | सदस्य |
| केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो। | |
| 8. श्री एस० डी० यादव, परिष्कृत उप-सम्पादक, | सदस्य |
| केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो। | |
| 9. श्री प्रभाशंकर मेहता, मुख्य सम्पादक, | सदस्य-सचिव-एवं |
| स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय। | संयोजक |

समय-समय पर इस समिति की बैठक दिल्ली में होगी और आवाश्यक कार्रवाई के लिए पत्रिकाओं के सम्पादकों को अपने सुझाव देगी।

अधिकारी सदस्यों के यात्रा-भत्तों और दैनिक-भत्तों पर होने वाले व्यय की पूर्ति उसी स्रोत से की जाएगी, जिससे उनको वेतन मिलता है। गैर-सरकारी सदस्यों के यात्रा-भत्तों और दैनिक-भत्तों को नियमानुसार विनियमित किया जाएगा तथा उन पर होने वाले व्यय को परिवार कल्याण विभाग वहन करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को भिजवाई जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० आर० कुलकर्णी, प्रवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th November 1979

No. 53—Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Himachal Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Jagdish Chander Bakshi, (Deceased)
Assistant Sub Inspector of Police,
Sirmur District,
Himachal Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 24th May, 1975, Shri Partap Singh and Shri Surat Singh fell out of some business transaction at Rajgarh Bus-stand. When Shri Tulsī Ram Thakur and Shri Krishan Kumar tried to intervene in the fight, Shri Surat Singh got enraged and got hold of a D.B.B.L. gun and ran after three persons, all of whom rushed to the Police Station and reported the matter to Shri Jagdish Chander Bakshi, Assistant Sub Inspector who was at that time taking his lunch at his residence. When all the three persons came out of the residence of the Assistant Sub Inspector, Shri Surat Singh fired upon Shri Tulsī Ram from a distance of about 18/20 yards. On hearing the gunshot the Assistant Sub Inspector rushed out of his residence wearing just a vest and dhoti. He directed two of the persons to run back to his quarters and hide themselves. In the meantime, Shri Surat Singh reloaded his gun and shot at the third person, namely, Tulsī Ram but in order to protect Tulsī Ram Shri Jagdish Chander Bakshi jumped in front of Shri Tulsī Ram and tried to pacify Shri Surat Singh while he discreetly signalled to Shri Tulsī Ram to make good his escape. When Shri Tulsī Ram escaped, Shri Surat Singh got further enraged and after reloading his gun, shot at Shri Jagdish Chander Bakshi who was killed on the spot.

While attempting to save the lives of the three persons from an armed murderer, Shri Jagdish Chander Bakshi laid down his own life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th May, 1975.

No. 54—Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of Uttar Pradesh Police —

Name and rank of the officer

Shri Sunder Das, (Deceased)
Sub Inspector of Police,
District Fatehgarh,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of 29th/30th October, 1977, Shri Sunder Das, Sub Inspector of Police, received information that one Sultan and two of his associates alleged to be dacoits were staying in the house of Shri Mukat Singh of village Natha-ka-Nagla. A police party including Shri Sunder Das rushed to the village and surrounded the house of Shri Mukat Singh. The dacoits were asked to surrender but they opened fire on the police party. In disregard of his personal safety, Shri Sunder Das rushed ahead of the police party to face the challenge posed by the dacoits. While Shri Sunder Das was about to apprehend Sultan, an associate of Sultan fired at Shri Sunder Das as a result of which he was killed on the spot. The dacoits escaped under cover of darkness.

Shri Sunder Das, Sub Inspector of Police, exhibited devotion to duty and sacrificed his life in his effort to apprehend a dacoit gang.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th October, 1977.

No. 55—Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Orissa Military Police :—

Name and rank of the officer

Shri Gopal Pradhan, (Deceased)
Havildar,
Orissa Military Police,
7th Battalion,
Bhubaneswar,
Orissa,

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 15th April, 1978, Shri Gopal Pradhan, Havildar, was detailed on cordoning duty for controlling the crowd assembled to witness the festival on the right side of the "Rukuna Rath" which is taken out on the occasion of the Ashokastami Car Festival at Bhubaneswar. The Car dragging ceremony started at about 3.45 P.M. but one of the rear wheels of the Car broke at about 5.30 P.M. After carrying out some minor repairs the journey was resumed but after it had covered some distance and was descending a hump on the road it gained momentum and moved to the right side of the road thus endangering the lives of men, women and children who had assembled there to witness the ceremony. Shri Gopal Pradhan ignoring the risk to his life rushed to the place and saved a number of men and women from being crushed under the wheels of the chariot. He continued his work of rescuing the men, women and children and in that process he slipped and fell into a near by drain which was so close to the wheels of the chariot that before he could get out of the drain he was run over by the wheels of the chariot and was crushed to death.

Shri Gopal Pradhan, Havildar, sacrificed his life while discharging his duties in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 15th April, 1978.

K. C. MADAPPA
Secy. to the President

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE)

New Delhi, the 31st October 1979

RESOLUTION

No. U.12020(B)/1/79-MEM.—The Government of India have been pleased to constitute an Advisory Committee consisting of the following, to give suggestions to make the Hindi periodicals 'Hamara Ghar' and 'Arogya Sandesh', brought out by the Ministry of Health & Family Welfare, more interesting and useful :—

Chairman

1. Shri V. N. Kakar,
Chief Media,
Ministry of Health & Family Welfare.

Members

2. Shri Rajendra Avasthi,
Editor, 'Kadambini'.
3. Shri Lallan Prasad Vyas,
Editor, 'Alok Bharti'.
4. Dr. Atm Prakash,
All India Medical Institute of Medical Sciences,
New Delhi.
5. Shri T. K. Parthasarathy, Editor,
Central Health Education Bureau.
6. Shri Gulwant Farigh, Asstt. Editor,
Ministry of Health and Family Welfare.
7. Shri N. G. Srivastava, Asstt. Editor,
Central Health Education Bureau.
8. Shri S. D. Yadav, Senior Sub-Editor,
Central Health Education Bureau.

Member Secretary and Convener

9. Shri P. S. Mehta, Chief Editor,
Ministry of Health and Family Welfare.

The Committee shall meet at New Delhi from time to time and give its suggestions to the Editors of the periodicals for necessary action.

The expenditure on T.A. and D.A. of Official members will be met from the source from which their salaries are drawn. The T.A. and D.A. of non-official members will be regulated in accordance with the rules and the expenditure incurred will be met by the Department of Family Welfare.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

M. R. KULKARNI, Under Secy.

